लाल किताब के रामबाण उपाय

नानक दुखिया सब संसार । आज संसार में हर आदमी दुखी है। चाहे अमीर हो या गरीब, बड़ा हो या छोटा। हर इंसान को कोई न कोई परेशानी लगी रहती है। ज्योतिष में इसके लिए कई उपाय सुझाए गए हैं। जिनको विधि पूर्वक करके हम लाभ उठा सकते हैं !

लाल किताब उत्तर भारत में खास कर पंजाब में बहुत प्रसिद्ध है। अब इसका प्रचार धीरे-धीरे पूरे भारत में हो रहा है। इसकी लोकप्रियता का मुख्य कारण इसके आसान, सस्ते और सटीक उपाय हैं। इसमें कई उपाय ग्रहों की बजाय लक्षणों से बताये जाते हैं। आपके लाभ के लिए कुछ सिद्ध उपाय निम्न प्रकार से हैं-

1.यदि आरूपो धन की परेशानी है, कनौरी में दिकक्त आ रही है, प्रमोशन नहीं हो रहा है या आप अच्छे करियर की तलाश में है तो यह उपाय कीजिए:

किसी दुकान में जाकर किसी भी शुक्रवार को कोई भी एक स्टील का ताला खरीद लीजिए। लेकिन ताला खरीदते वक्त न तो उस ताले को आप खुद खोलें और न ही दुकानदार को खोलने दें ताले को जांचने के लिए जी न खोले ! उसी तरह से डिब्बी में बन्द का बन्द ताला दुकान से खरीद लें। इस ताले को आप शुक्रवार की रात अपने सोने के कमरे में खर दें । शनिवार सुबह उठकर नहा-धो कर ताले को बिना खोले किसी मन्दिर, गुरुद्वारे या किसी भी धार्मिक स्थान पर खर दें। जब भी कोई उस ताले को खोलेगा आपकी किस्मत का ताला खुल जायगा।

2. यदि आप अपना कमान, दुकान या कोई अन्य प्रापर्टी बेचना चाहते हैं और वो किब न रही हो तो यह लाल किताब के रामबाण उपाय करें:

बाजार से 86 (छियासी) साबुत बादाम (छिलके सहित) ले आईए। सुबह नहा-धो कर, बिना कुछ खाये, दो बादाम लेकर मन्दिर आईए । दोनो बादाम मन्दिर में शिव-लिंग या शिव जी के आगे खर दीजिए। हाथ ओड कर भगवान से प्रापटी को बेचने की प्रार्थना कीजिए और उन दो बादामों में से एक बादाम वापिस ले आईए उस बादाम को लाकर घर में कही अलग खर दीजिए। ऐसा आपको 43 दिन तक लगातार करना है। रोज दो बादाम लेजाकर एक वापिस लाना है। 43 दिन के बाद जो बादाम आपने घर में इकट्ठा किए हैं उन्हें जल-प्रवाह (बहते जल, नदी आदि में) कर दें। आपका मनोरथ अवश्य पूरा होगा। यदि 43 दिन से पहले ही आपका सौदा हो जाय तो भी उपाय को अधूरा नहीं छोड़ना चाहिए। पूरा उपाय करके 43 बादाम जल-प्रवाह करने चाहिए। अन्यथा कार्य में स्कावट आ सकती है।

3.यदि आप ब्लड प्रेशर वा डिप्रेशन से परेशान हैं तो

इतवार की रात को सोते समय अपने सिरहाने की तरफ 325 ग्राम दूध खर कर सौए। सोमवार को सुबह उठ कर सबसे पहले इस दूध को किसी कीकर या पीपल के पेड़ को अर्पित कर दें। यह उपाय 5 इतवार तक लगातार करें। लाभ होगा

4.माईग्रेन या आधा सीसी का दर्द का रामबाण उपाय:

सुबह सूरज उगने के समय एक गुड का डला लेकर किसी चौराहे पर जाकर दक्षिण की ओर मुंह करके खड़े हो जाय। गुड़ को अपने दांतों से दो हिस्सों में काट दीजिए। गुड के दोनों हिस्सों को वहीं धौराहे पर फेंक दें और वापिस आ जाय । यह उपाय किसी भी मंगलवार से शुरु करें तथा 5 मंगलवार लगातार करें। लेकिन लेकिन ध्यान रहे यह उपाय करते समय आप किसी से भी बाल न करें और न ही कोई आपको पुकारे न ही आप से कोई बात करें। अवश्य लाभ होगा ।

5.फंसा हुआ धन वापिस लेने के लिए:

यदि आपकी रकम कहीं फंस गई है और पैसे वापिस नहीं मिल रहे तो आप रोज सुबह नहाने के पश्चात सूरज को जल अर्पण करें। उस जल में 11 बीज लाल मिर्च के डाल दे तथा सूर्य भगवान से पैसे वापिसी की प्रार्थना करें। इसके साथ ही **"ओम आदित्याय नमः का जाप करें !**

6.आर्थिक समस्या के एकटारे के लिए:

यदि आप हमेशा आर्थिक समस्या से परेशान हैं तो इसके लिए आप 21 शुक्रवार 9 वर्ष से कम आयु की 5 कन्यायों को खीर व मिश्री का प्रसाद बाटै ।

7.परेशानी से मुक्ति के लिए लाल किताब के रामबाण उपाय:

आज कल हर आदमी किसी न किसी कारण से परेशान है। कारण कोई भी हो आप एक तांबे के पात्र में जल भर कर उसमे थोडा सा लाल चंदन मिला दें। उस पात्र को सिरहाने खर कर रात को सो जाय। प्रातः उस जल को तुलसी के पौधे पर चढ़ा दें। धीरे-धीरे परेशानी दूर होगी !

8. कुंवारी कन्या के विवाह हेतु लाल किताब के उपाय:

- यदि कन्या की शादी में कोई रुकावट आ रही हो तो पूजा वाले 5 नारियल लें। भगवान शिव की मूर्ती या फोटो के आगे खर कर 'ऊं श्री वर प्रदाय श्री नामः" मंत्र का पांच माला जाप करें फिर वो पांचों नारियल शिव जी के मंदिर में चढ़ा दें। विवाह की बाधायें अपने आप दूर होती जांयगी !
- प्रत्येक सोमवार को कन्या सुबह नहा-धोकर शिवलिंग पर "ऊं सोमेश्वराय नमः" का जाप करते हुए दूध मिले जल को चढ़ाये और वहीं मंदिर में बैठ कर रुद्राक्ष की माला से इसी मंत्र का एक माला जप करे। विवाह की सम्भावना शीघ्र बनती नजर आयेगी

9.व्यापार बढ़ाने के लिए :

- शुक्ल पक्ष में किसी भी दिन अपनी फैक्ट्री या दुकान के दरवाजे के दोनों तरफ बाहर की ओर थोड़ा सा गेहूं का आटा खर दें। ध्यान रहे ऐसा करते हुए आपको कोई खदे नहीं !
- पूजा घर में अभिमंत्रित श्री यंत्र खरें ।
- शुक्रवार की रात को सवा किलो काले चने भिगो दें। दूसरे दिन शनिवार को उन्हें सरसों के तेल में बना लें। उसके तीन हिस्से कर लें। उसमें से एक हिस्सा धोडे या भैंसे को खिला दें। दूसरा हिस्सा

कुष्ठ रोगी को दे दें और तीसरा हिस्सा अपने सिर से घड़ी की सूई से उल्टे तरफ तीन बार वार कर किसी चौराहे पर खर दें। यह प्रयोग 40 दिन तक करें। कारोबार में लाभ होगा ।

10.लगातार बुखार आने पर

- यदि किसी को लगातार बुखार आ रहा हो और कोई भी दवा असर न कर रही हो तो आक की जड लेकर उसे किसी कपडे में कस कर बांध लें। फिर उस कपडे को रोगी के कान से बांध दें। बुखार उतर जायगा ।
- इतवार या गुरुवार को चीनी, दूध, चावल और पेठा (कटू-पेठा, सब्जी बनाने वाला) अपनी इच्छा अनुसार ले और उसको रोगी के सिर पर से वार कर किसी भी धार्मिक स्थान पर, जहां पर लंगर बनता हो, दान कर दें।
- यदि किसी को टायफाईड हो गया हो तो उसे प्रतिदिन एक नारियल पानी पिलायें। कुछ ही दिनों में आराम हो जायगा ।

11.नौकरी जाने का खतरा हो या ट्रांसफर रुकवाने के लिए:

पांच ग्राम डली वाला सुरमा लें। उसे किसी वीरान जगह पर गाड़ दें। ख्याल रहे कि जिस औजार से आपने जमीन खोदी है उस औजार को वापिस न लाये। उसे वहीं फेंक दें दूसरी बात जो ध्यान खरने वाली है वो यह है कि सुरमा डली वाला हो और एक ही डली लगभग 5 ग्राम की हो। एक से ज्यादा डलियां नहीं होनी चाहिए ।

12.कारोबार में नुक्सान हो रहा हो या कार्यक्षेत्र में झगडा हो रहा हो तो

यदि उपरोक्त स्थिति का सामना हो तो आप अपने वजन के बराबर कच्चा कोयला लेकर जल प्रवाह कर दें। अवश्य लाभ होगा ।

13.मुकदमें में विजय पाने के लिए:

यदि आपका किसी के साथ मुकदमा चल रहा हो और आप उसमें विजय पाना चाहते हैं तो थोडे से चावल लेकर कोर्ट कचहरी में जांय और उन चावलों को कचहरी में कहीं पर फेंक दें। जिस कमरे में आपका मुकदमा चल रहा हो उसके बाहर फेंकै तो ज्यादा अच्छा है। परंतु याद रहे आपको चावल ले जाते या कोर्ट में फेंकते समय कोई खदे नहीं वरना लाभ नहीं होगा। यह उपाय आपको बिना किसी को पता लगे करना होगा!

14.धन के ठहराव के लिए

आप जो भी धन मेहनत से कमाते हैं उससे ज्यादा खर्च हो रहा हो अर्थात घर में धन का ठहराव न हो तो ध्यान खरे को आपके घर में कोई नल लीक न करता हो। अर्थात पानी टप टप टपकता न हो। और आग पर खरा दूध या चाय उबलनी नहीं चाहिये ! वरना आमदनी से ज्यादा खर्च होने की सम्भावना रहती है।

15.मानसिक परेशानी दूर करने के लिए

रोज हनुमान जी का पूजन करे व हनुमान चालीसा का पाठ करें। प्रत्येक शनिवार को शनि को तेल चढ़ायें ! अपनी पहनी हुई एक जोडी चप्पल किसी गरीब को एक बार दान करें।

16.बच्चे के उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु के लिए:

- एक काला रेशमी डोरा लें। **'ऊं नमो भगवते वासुदेवाय नमः"** का जाप करते हुए उस डोरे में थोड़ी थोड़ी दूरी पर सात गांठें लगायें। उस डोरे को बच्चे के गले या कमर में बांध दें ।
- प्रत्येक मंगलवार को बच्चे के सिर पर से कच्चा दूध 11 बार वार कर किसी जंगली कुत्ते को शाम के समय पिला दें। बच्चा दीर्घायु होगा ।

17.किसी रोग से ग्रसित होने पर:

सोते समय अपना सिरहाना पूर्व की ओर खरें। अपने सोने के कमरे में एक कटोरी में सेंधा नमक के कुछ टुकडे खरें । सेहत ठीक रहेगी।

18.प्रेम विवाह में सफल होने के लिए:

यदि आपको प्रेम विवाह में अडचने आ रही है तो
शुक्ल पक्ष के गुरुवार से शुरु करके विष्णु और लक्ष्मी मां की मूर्ती या फोटो के आगे 'ऊं लक्ष्मी नारायणाय नमः" मंत्र का रोज तीन माला जाप स्फटिक माला पर करें ! इसे शुक्ल पक्ष के गुरुवार से ही शुरु करें। तीन महीने तक हर गुरुवार को मंदिर में प्रशाद चढाए और विवाह की सफलता के लिए प्रार्थना करें।

19.नौकर न टिके या परेशान करे तो

हर मंगलवार को बदाना (मीठी बूंदी) का प्रशाद लेकर मंदिर में चढ़ा कर लडकियों में बांट दें। ऐसा आप चार मंगलवार करें !

20.बनता काम बिगडता हो, लाभ न हो रहा हो या कोई भी परेशानी हो तो :

हर मंगलवार को हनुमान जी के चरणों में बदाना (मीठी बूंदी) चढा कर उसी प्रशाद को मंदिर के बाहर गरीबों में बांट दें

21.यदि आपको सही नौकरी मिलने में दिक्कत आ रही हो तो :

हर मंगलवार को हनुमान जी के चरणों में बदाना (मीठी बूंदी) चढ़ा कर उसी प्रशाद को मंदिर के बाहर गरीबों में बांट दें

22.यदि आपको सही नौकरी मिलने में दिक्कत आ रही हो तो

- कुएं में दूध डालें। उस कुएं में पानी होना चहिए !
- काला कम्बल किसी गरीब को दान दें !

- 6 मुखी रुद्राक्ष की माला 108 मनकों वाली माला धारण करें जिसमें हर मनके के बाद चांदी के टुकडे पिरोये हों।
-

23.अगर आपका प्रमोशन नहीं हो रहा तो :

- गुरुवार को किसी मंदिर में पीली वस्तुये जैसे खाद्य पदार्थ, फल, कपडे इत्यादि का दान करें ।
- हर सुबह नंगे पैर घास पर चलें ।

24. पति को वश में करने के लिए:

यह प्रयोग शुक्ल पक्ष में करना चाहिए। एक पान का पत्ता लें। उस पर चंदन और केसर का पाऊडर मिला कर खरें ! फिर दुर्गा माता जी की फोटो के सामने बैठ कर दुर्गा स्तुति में से चेंडी स्त्रोत का पाठ 43 दिन तक करें। पाठ करने के बाद चंदन और केसर जो पान के पत्ते पर खरा था, का तिलक अपने माथे पर लगायें और फिर तिलक लगा कर पति के सामने जाय । यदि पति वहां पर न हो तो उनकी फोटो के सामने जांय। पान का पता रोज़ नया ले जो कि साबुत हो कहीं से कटा फटा न हो। रोज प्रयोग किए गए पान के पत्ते को अलग किसी स्थान पर खरें। 43 दिन के बाद उन पान के पत्तों को जल प्रवाह कर दें